मैं सड़क पर चल रही थी

सारा ई. बारचास
चित्र: जैक केंट



मैं सड़क पर
चल रही थी

मैं सड़क पर चल रही थी

सारा ई. बारचास
चित्र: जैक केंट

मैं सड़क पर चल रही थी।

तभी मैंने एक छोटा सा मेंढक देखा।



मैं उसे पकड़ा ..





.. और उसे पिंजरे में रख दिया।



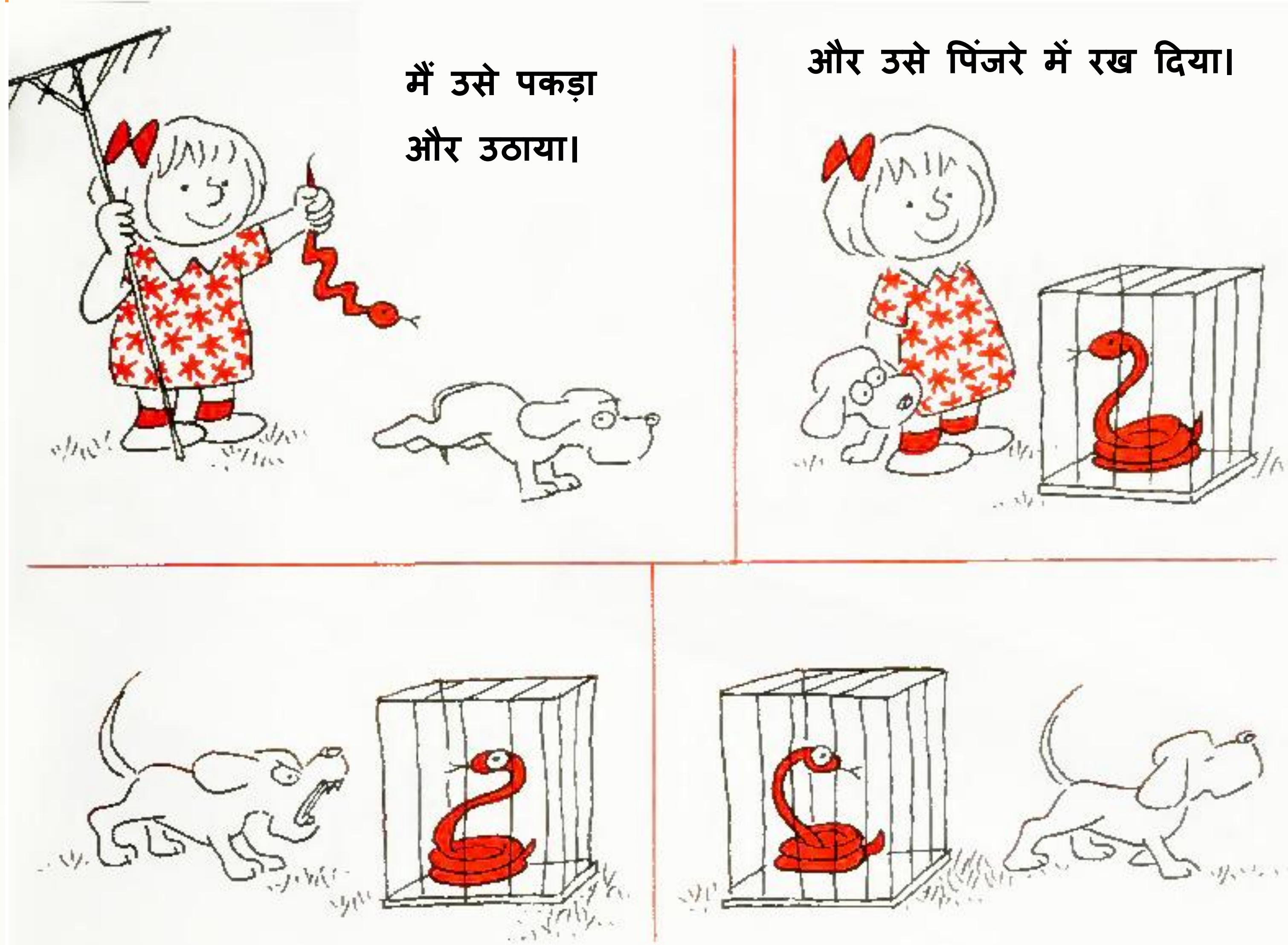





मैं आसमान की ओर देख रही थी।
तभी मुझे एक तितली दिखी।
मैं उसे पकड़ा ..
उसे उठाया।
और उसे पिंजरे
में रख दिया।



मैं रेक (पंजे) से पत्तियां हटा रही थी।
तभी मैंने एक छोटा सा साँप देखा।



मैं उसे पकड़ा
और उठाया।

और उसे पिंजरे में रख दिया।

मैं एक लट्ठे पर कूद रही थी।





तभी मैंने एक छोटा मेंढक देखा।



मैं उसे पकड़ा
उसे उठाया
और उसे पिंजरे में रख दिया।

मैं कालीन साफ कर रही थी।
तभी मुझे एक छोटा सा कीड़ा दिखा।





मैंने उसे पकड़ा..







उसे उठाया।
और उसे पिंजरे में
रख दिया।



मैं डाक का इंतज़ार कर रही थी।



तभी मुझे एक छोटा घोंघा दिखा।



मैं उसे पकड़ा..

उसे उठाया।



और उसे पिंजरे में रख दिया।




मैं घर में झाड़ू लगा रही थी।
तभी मुझे एक छोटा चूहा दिखा।




मैं उसे पकड़ा..


उसे उठाया।
और उसे पिंजरे में रख दिया।



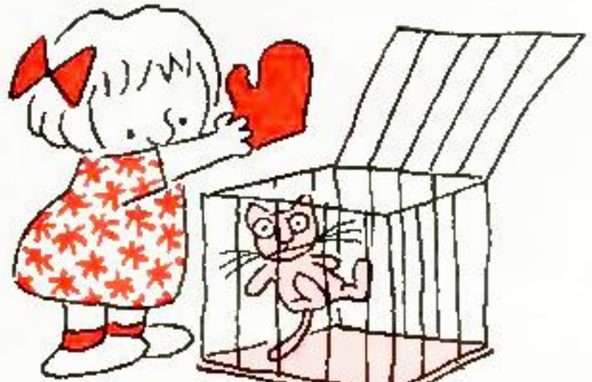
मैं अपने दस्ताने ढूंढ रही थी।







फिर मुझे एक छोटी बिल्ली का बच्चा मिला।



मैं उसे पकड़ा..

उसे उठाया।

और उसे पिंजरे में रख दिया।

मैं केक और ब्रेड खा रही थी।
तभी मुझे एक छोटी मकड़ी दिखी।



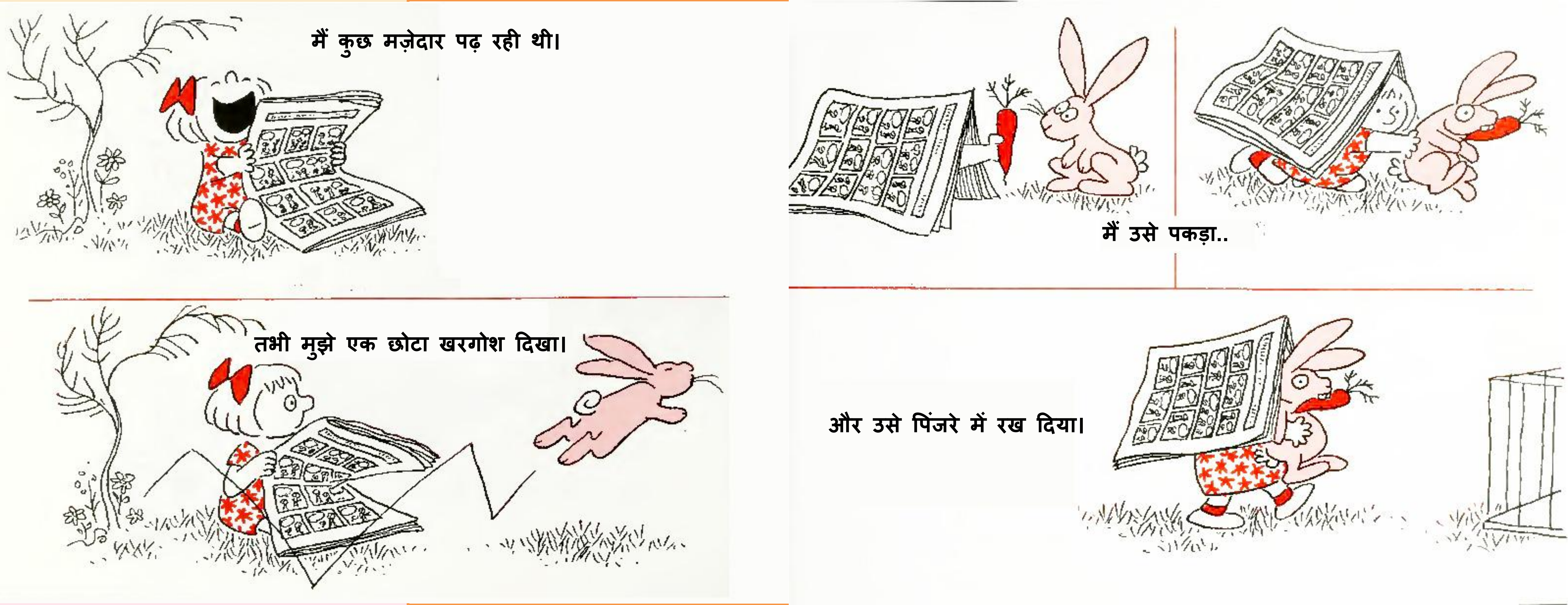


मैं उसे पकड़ा..
उसे उठाया।



और उसे पिंजरे में रख दिया।

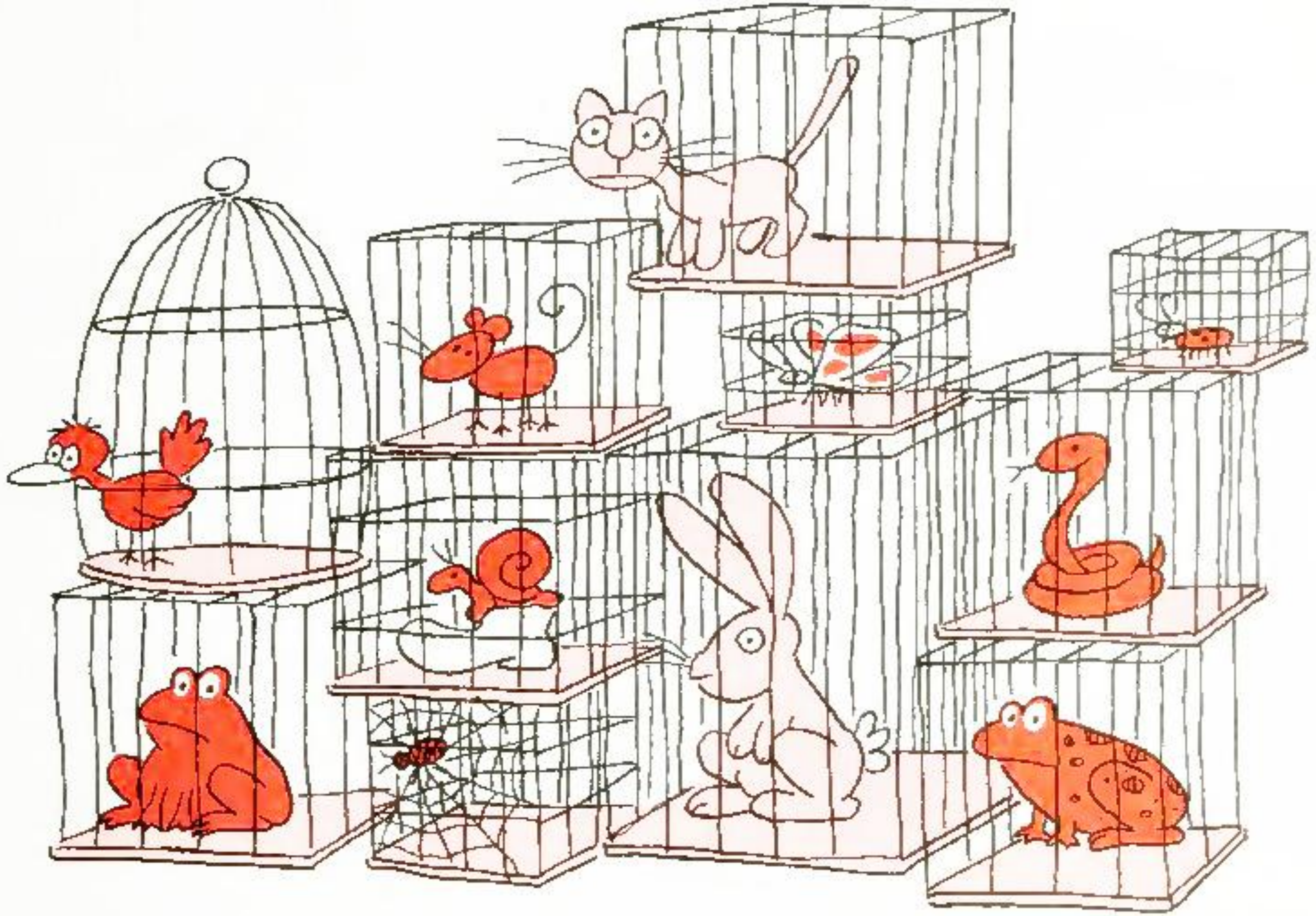


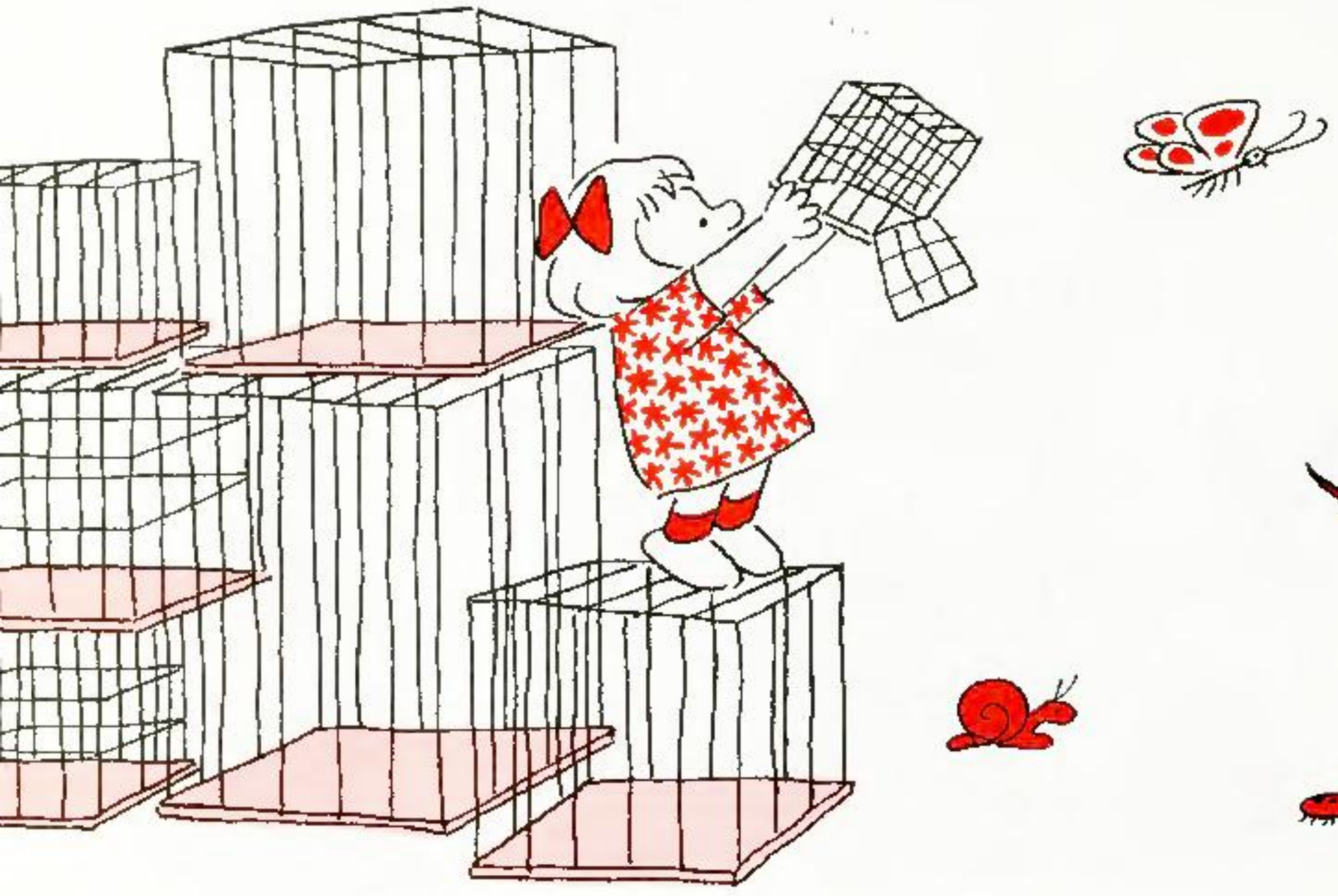

मैं कुछ मज़ेदार पढ़ रही थी।
तभी मुझे एक छोटा खरगोश दिखा।
मैं उसे पकड़ा..
और उसे पिंजरे में रख दिया।


मैं ठेला-गाड़ी को धक्का दे रही थी।
तभी मुझे एक छोटी सी गौरैया दिखी।
मैंने उसे पकड़ा..
और उसे पिंजरे में रख दिया।

मैं अपने पालतू जानवरों को देख रही थी।
फिर मैंने जानवरों को अपनी ओर ताकते हुए देखा।
मैं थोड़ी देर बैठी रही
मैंने कुछ देर सोचा
और फिर मैंने...







सभी जानवरों को आज़ाद कर दिया।



